International Journal of Academic Research and Development
ISSN: 2455-4197, Impact Factor: RJIF 5.22
www.academicsjournal.com
Volume 2; Issue 3; May 2017; Page No. 351-353

जनपद अम्बेडकर नगर (उ0प्र0) में साक्षरता का एक भौगोलिक अध्ययन

डॉ. विजय प्रकाश त्रिपाठी

प्राध्यापक - भूगोल विभाग, पं. हरिसहाय पी. जी. कालेज, जैती, बेलघाट, गोरखपुर, भारत।

प्रस्तावना

सामान्यतया लिखने-पढने की कला का न्यूनतम स्तर साक्षरता कहलाता है। साक्षरता किसी क्षेत्र के सामाजिक विकास का सूचक है और शिक्षा विकास की एक अनिवार्य शर्त। शिक्षा के माध्यम से आधुनिकीकरण और विकास के वांछित परिवर्तनों को लाया जा सकता है। यद्यपि शिक्षा स्वयं सामाजिक आर्थिक प्रगति प्रारम्भ नही करती, किन्तु शिक्षा की कमी विकास प्रक्रिया में अवरोध अवश्य उत्पन्न कर सकती है। शिक्षा के माध्यम से ही जीवन के विकास की क्रम व दिशा निर्धारित होती है। सामान्य अर्थ में साक्षर व्यक्ति वह है जो किसी भाषा में लिखना पढ़ना जानता है उसे साक्षर माना जाता है। अक्षर ज्ञान साक्षर होने के लिये अनिवार्य है साथ ही साथ शिक्षा के लिये पाठशाला उत्तीर्ण करना भी आवश्यक है। सामान्य रुप से साक्षरता एवं शिक्षित व्यक्तियों दोनो के लिये एक साथ साक्षरता शब्द का प्रयोग किया जाता है। कुल जनसंख्या में साक्षर व्यक्ति के अनुपात को सामान्यत: साक्षरता दर की संज्ञा दी जाती है। मानव संसाधन विकास में साक्षरता की अहम भूमिका है। साक्षरता के विकास में मानव संकीर्ण परिवेश से उन्मुक्त होकर अपने सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक प्रवृतियों से अन्योन्याश्रीत सम्बन्ध स्थापित कर लेता है जिससे एक इकाई के रुप में ही नही बल्कि सम्पूर्ण समाज के विकास में अपने दायित्व का निर्वहन करने मे सक्षम होता है। इसीलिए साक्षरता को किसी भी क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक विकास की कुंजी कहा गया है। अध्ययन क्षेत्र जनपद अम्बेडकर नगर में अन्य कार्यो के अन्तर्गत सेवा, शिक्षा, चिकित्सा जैसे कार्य मुख्य है जिसमे साक्षरता एवं शिक्षा आवश्यक है। इन कार्यो में औपचारिक शिक्षा की आवश्यकता पड़ती है। अत: साक्षरता एवं अन्य कार्यो के मध्य धनात्मक सम्बन्ध स्वाभाविक है। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रख कर साक्षरता एवं अन्य कार्यों में संलग्न जनसंख्या के सहसम्बन्ध का अध्ययन प्रस्तुत किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र- जनपद अम्बेडकर नगर का विस्तार 26°-10' से 26°- 40' उत्तरी अक्षांश तथा 82°19' से 83°28' पूर्वी देशान्तर तक है। मध्य गंगा मैदान के पूर्वी उत्तर प्रदेश में जनपद अम्बेडकर नगर स्थित है यह पूर्व में आजमगढ़ जनपद उत्तर में बस्ती संतकबीरनगर एवं गोरखपुर दक्षिण में सुल्तानपुर और पश्चिम में फैजाबाद जनपदों में सिमांकित है। इसका भौगोलिक क्षेत्रफल 2350 वर्ग किलोमीटर है प्रशासनिक एवं ग्रामीण विकास की दृष्टि से यह जनपद 112 न्याय पंचायत 805 ग्राम पंचायत तथा 1780 ग्राम सभाओं में विभक्त है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या 2398709 है जिसमें पुरुषो की संख्या 1214225 तथा महिलाओं की संख्या 1184484 है।

उद्देश्य- प्रस्तुत शोध पत्र का निम्नलिखित उद्देश्य है

1. अध्ययन क्षेत्र के साक्षरता का क्षेत्रीय वितरण प्रस्तुत करना।
2. अन्य कार्यो में संलग्न जनसंख्या का क्षेत्रिय वितरण प्रस्तुत करना।
3. साक्षरता एवं अन्य कार्यो में संलग्न जनसंख्या के मध्य सहसम्बन्ध ज्ञात करना।
4. साक्षरता एवं अन्य कार्यों के विकास हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

साक्षरता- भारतीय जनगणना के अनुसार 7 वर्ष या इससे अधिक उम्र का कोई भी व्यक्ति जो किसी भी भाषा में लिख पढ सकता है, साक्षर माना गया है। इस दृष्टि से अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता का अनुपात अपेक्षाकृत कम है कुल जनसंख्या में साक्षर व्यक्तियों के अनुपात को सामान्यतया: साक्षरता दर की सज्ञां दी जाती है साक्षरता की संकल्पना तथा उसके लिये प्रयुक्त मापदण्डो में प्राय: एक रुपता नही मिलती, जो तुलनात्मक अध्ययन में एक बड़ा अवरोधक है। साक्षरता की माप के लिये जो आधार प्रयुक्त होते है। उनमें प्रमुख निम्नलिखित है

1. अपने देश में प्रचलित किसी भाषा का वर्णमाला का ज्ञान होने अथवा अपने हस्ताक्षर बना लेने और पढ़ने लिखने की योग्यता होने पर व्यक्ति को साक्षर माना जाता है भारत में साक्षरता का यही मापदण्ड है।
2. संयुक्त राष्ट्र संघ के जनसंख्या आयोग द्वारा प्रस्तावित मापदण्डो के अनुसार उन सभी व्यक्तियों को साक्षर माना जाता है जो किसी एक भाषा में साधारण सन्देश को पढ़ लिख और समझ सकते है।

साक्षरता को प्रभावित करने वाले कारक-

1. अर्थ व्यवस्था का प्रभाव- किसी क्षेत्र के साक्षरता पर वहाँ के अर्थ व्यवस्था का गहरा प्रभाव होता है। निर्यात मूलक कृषि तथा पशुपालन की अर्थ व्यवस्था में साक्षरता कम तथा उद्योग व्यापार, यातायात भण्डारण तथा अन्य सेवाओं में शिक्षित व्यक्तियों की आवश्यकता पड़ती है।
2. शिक्षा प्राप्त की सुविधा- नगरो में अनेक प्रकार के शिक्षण-संस्थाओं तथा प्रशिक्षण केन्द्र होते है। शिक्षा प्राप्ति की सुविधाएँ अधिक होने के कारण साक्षरता अधिक होती है। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह सुविधाएँ कम तथा दूर दूर तक बिखरे होते है।
3. प्राविधिक विकास का स्तर- जिन देशों में औद्योगिक और प्राविधिक विकास अधिक हुआ है, वहाँ उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों की संख्या तथा साक्षरता की दर अधिक होती है। औद्योगिक और प्राविधिक विकास की दृष्टि से अविकसित देशों में उच्च शिक्षा प्राप्ति व्यक्तियों की संख्या तथा साक्षरता दोनो कम होती है।
4. जातीय संरचना- जिन देशों में अनेक धर्म व भाषाएँ होती है तथा जिन समाजो की जातीय संरचना में विविधता पायी जाती है वहाँ विभिन्न धर्मावलम्बियों व जातियों की साक्षरता दर में अन्तर होता है।

साक्षरता का वितरण- साक्षरता निर्धारण के स्तर में विषमता होते हुए भी जनगणना विभाग द्वारा प्रकाशित आकड़ो से जनपद के विभिन्न विकास खण्डों की साक्षरता का विश्लेषण करने से स्पस्ट होता है कि साक्षरता वितरण में जनपद, तहसील, और विकास खण्डों में विषमता पायी जाती है। वास्तव में यह विषमता जनांकिकी, सामाजिक, आर्थिक तथ्यों में मिलने वाली विषमता के कारण ही घटित होती है। अध्ययन क्षेत्र में ग्रमीण जनसंख्या में साक्षरता के विकास की पर्याप्त विषमता है।

तालिका 1: जनपद अम्बेडकर नगर में साक्षरता का वितरण (साक्षरता प्रतिशत में)

क्रम संख्या	विकास खण्ड का नाम	कुल	पुरुष	स्त्री	अन्य कार्यों में
1.	भीटी	55·57	72·20	40·95	23·34
2.	कटेहरी	55·38	69·20	41·24	22·24
3.	अकबरपुर	54·07	66·92	41·22	22·30
4.	टांडा	56·73	68·73	44·73	18·04
5.	बसखारी	60·02	72·26	47·79	16·35
6.	रामनगर	58·56	72·83	44·30	6·84
7.	जहाँगीरगंज	56·66	75·93	45·40	7·03
8.	जलालपुर	58·34	71·55	45·14	7·72
9.	भियाँव	54·19	70·49	39·89	5·42
10.	योग ग्रामीण	56·95	70·53	43·38	6·58
11.	योग नगरीय	72·25	79·39	65·11	2·64
12.	योग जनपद	58·33	71·37	45·30	24·35

स्रोत- सांख्यिकीय पत्रिका जनपद अम्बेडकर नगर के वर्ष 2010-11

इधर हाल के वर्षो में अध्ययन क्षेत्रों में यातायात विकास के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय की स्थापना से साक्षरता का प्रतिशत बढ रहा है। जनपद की कुल जनसंख्या 2398709 का 58·43 प्रतिशत जनसंख्या साक्षर है अध्ययन क्षेत्र की औसत साक्षरता प्रति विकास खण्ड 58·53 प्रतिशत जनसंख्या साक्षर है । जिसका क्षेत्रियान्तर 60·07 प्रतिशत है विकास खण्ड बसखारी से लेकर 54·28 प्रतिशत विकास खण्ड अकबरपुर तक है। शेष विकास खण्डों की स्थिति दोनो के मध्य है। औसत से अधिक कुल साक्षरता अध्ययन क्षेत्र के 55·55 विकास खण्डों में पायी जाती है।

पुरुष साक्षरता- जनपद अम्बेडकर नगर की कुल पुरुष साक्षरता (ग्रामीण+नगरीय) 70·53% है। क्षेत्रियान्तर 75·53 प्रतिशत विकास खण्ड जहाँगीरगंज से लेकर 66·92 प्रतिशत विकास खण्ड अकबरपुर तक है अध्ययन क्षेत्र की औसत पुरुष साक्षरता 70·53 है। औसत से अधिक साक्षरता 44·44 प्रतिशत विकास खण्डों में पायी जाती हैजो तालिका से स्पस्ट है।

तालिका 2: जनपद अम्बेडकर नगर में पुरुष साक्षरता का वितरण 2011

श्रेणी	आन्तरिक मूल्य	विकास खण्डों की संख्या	विकास खण्डों का %
सर्वोच्च	+75	1	**11**·11
उच्च	72-75	2	22·22
मध्यम	69-72	4	44·45
निम्न	69 से कम	2	22·22
योग	+75	9	100·00

स्रोत- व्यक्तिगत परिकलन पर आधारित।

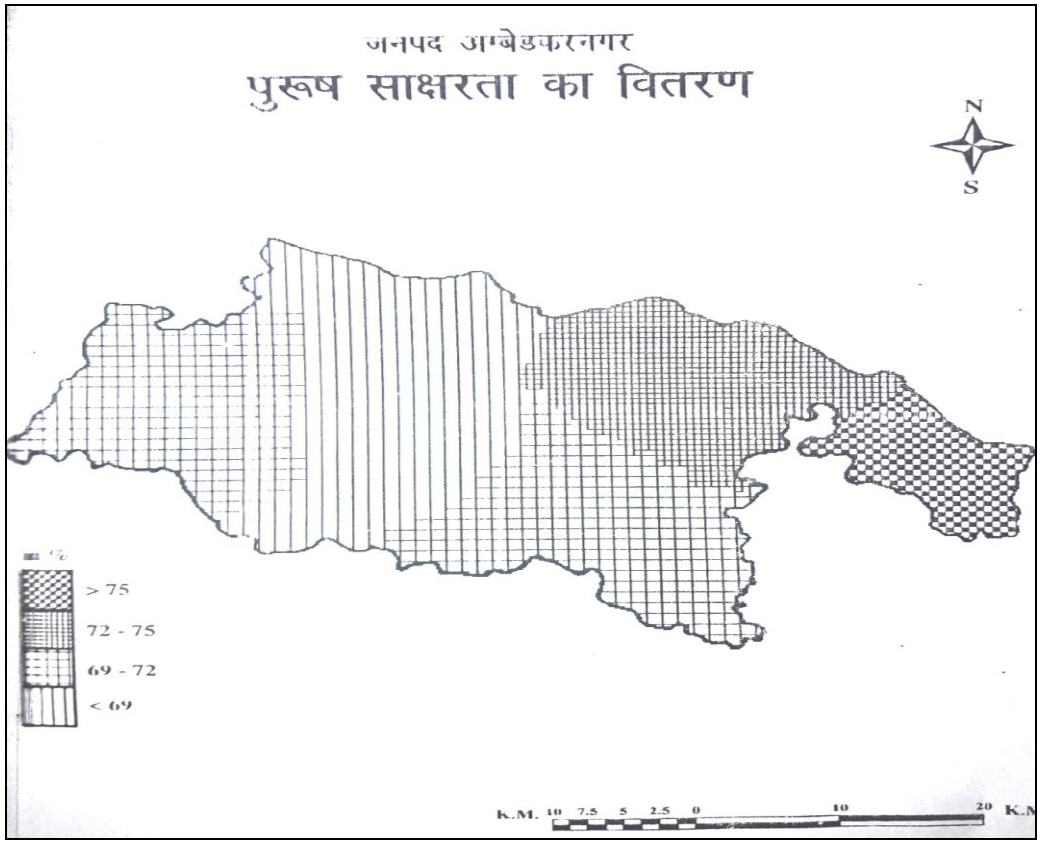

स्त्री साक्षरता- अध्ययन क्षेत्र की कुल स्त्री साक्षरता 43·38 प्रतिशत है। जो उत्तर प्रदेश की महिला साक्षरता 42·98 प्रतिशत की अपेक्षा 0·40 कम है। जिसका क्षेत्रियान्तर 47·79 प्रतिशत विकासखण्ड बसखारी 39·89 प्रतिशत विकासखण्ड भियांव तक है। यह विकासखण्ड अध्ययन क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में स्थित है। शेष विकासखण्ड भीटी, कटेहरी, अकबरपुर तथा भियांव में साक्षरता क्रमश: 40·25, 41·24, 41·22 तथा 39·89 प्रतिशत पायी जाती है जो तालिका से स्पस्ट है –

तालिका 3

श्रेणी	आन्तरिक मूल्य	विकास खण्डों की संख्या	विकास खण्डों का %
सर्वोच्च	+44	4	44·45%
उच्च	42·44	1	11·11
मध्यम	40·42	3	33·33
निम्न	40 से कम	1	11·11
योग		9	100·00

स्रोत: व्यक्तिगत परिकलन पर आधारित

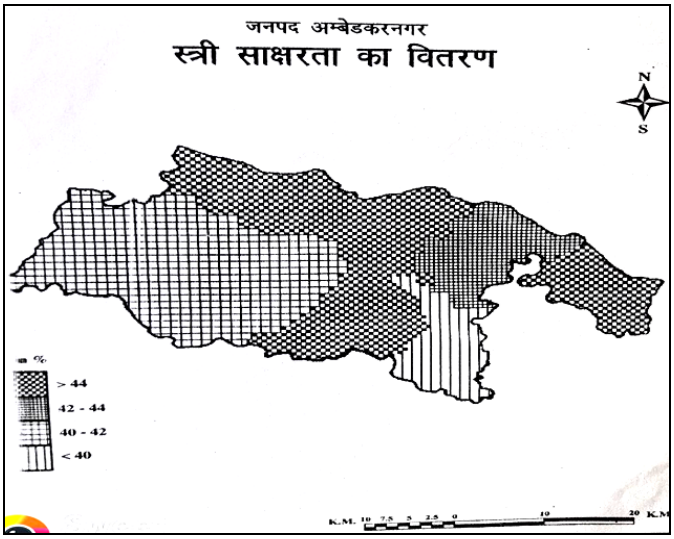

अन्य कार्यों में संलग्न जनसंख्या

जनपद अम्बेडकर नगर मुख्यत: कृषि प्रधान क्षेत्र है इसकी 91·03 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण तथा 08·07 प्रतिशत नगरीय है। कृषि प्रधान क्षेत्र होने के कारण कार्यरत जनसंख्या का अधिकांश भाग प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न है। सन 2011 की जनसंख्या के अनुसार प्राथमिक कार्यो मे कुल कार्यशील जनसंख्या का 80·00 प्रतिशत संलग्न है।जिसमें 56·90 प्रतिशत कृषक तथा 23·01 प्रतिशत श्रमिक है। व्दितीयक कार्यों में कुल 07·08 कुल प्रतिशत व्यक्ति कर्यरत है, जिसमें परिवारिक उद्द्योग एवं सम्बन्धित व्यवसाय सम्मिलित है। तृतीयक कार्यों में पशुपालन, मत्स्य, आखेट, विनिर्माण, उद्द्योग, व्यापार परिवहन आदि सेवाओं में कुल 12·20 प्रतिशत जनसंख्या कार्यरत है।

साक्षरता एवं अन्य कार्यों में संलग्न जनसंख्या में सहसम्बन्ध

अध्ययन क्षेत्र में अन्य कार्यो में संलग्न जनसंख्या अन्य कारको की अपेक्षा साक्षरता से अधिक प्रभावित है। अतएव साक्षरता एवं अन्य कार्यों में लगी जनसंख्या में सहसम्बन्ध का स्तर जानने का प्रयास किया गया है। इन दोनों चरो में सहसम्बन्ध का स्तर ज्ञात करने के लिए स्पियरमैन की कोटि अंतर रीति का प्रयोग किया जाता है। दोनो चरो साक्षरता एवं अन्य कार्यों में लगी जनसंख्या में धनात्मक सहसम्बन्ध (0·548) है। यह सहसम्बन्ध मध्यम है क्योंकि अन्य कार्यों में संलग्न जनसंख्या अन्य कारको यथा-कृष्येत्तर कार्यो की उपलब्धता, आर्थिक-सामाजिक विकास स्तर आदि पर भी निर्भर करती है।

सुझाव

अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता के साथ ही कृष्येत्तर कार्यो का विकास आवश्यक है। साक्षरता के विकास के लिए बालको एवं बालिकाओ के लिए अलग-अलग विद्यालयों की अधिकाधिक स्थापना करना, योग्य अध्यापक/अध्यापिकाओं को नियुक्त करना, शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना, अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्रों एवं वर्गो को प्राथमिकता देना, बालिका शिक्षा पर विशेष बल देना। सामान्यतया ये देखा गया है कि धनाभाव के चलते निर्धन वर्ग के बालक/बालिकाओं की आर्थिक स्थिति ही उनकी शिक्षा में सबसे बड़ा अवरोध है। अतः निर्धन वर्ग में शिक्षा के निःशुल्क व्यवस्था के साथ-साथ पुस्तक, ड्रेस, छात्रवृत्ति की व्यवस्था तथा इससे संबंधित कार्यक्रमों एवं योजनाओं को ठीक करना एवं निर्धनता दूर करना आवश्यक है। अन्य कार्यों में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु उद्योग धंधों का विकास, द्वितीय एवं तृतीयक कार्यों का विकास आवश्यक है। अन्य कार्यों में रोजगार सुलभ होने से लोगो का रहन – सहन एवं जीवन यापन का स्तर ऊचां उठेगा, उनकी निर्धनता दूर होगी और शिक्षा का भी विकास होगा।

सन्दर्भ

1. सिहं प्रियंका एवं सिहं दशरथ (2007): " बलिया जनपद में साक्षरता एवं रोजगार के अन्तरसम्बन्ध का अध्ययन " उत्तर भारत भूगोल पत्रिका, गोरखपुर अंक-37 संख्या-4 पृष्ठ-96
2. वी0 सी0 सिन्हा, विकास नियोजन एंव नितियाँ 2005 पेज संख्या 117
3. प्रो0 हीरालाल: जनसंख्या भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर पृष्ठ संख्या 199-200
4. ट्रीवार्था, जी टी : द केस आफ पापुलेशन ज्योग्राफी- पेज संख्या 122
5. श्रीवास्तव वी0 के0 एवं प्रसाद एम (2008) भूगोल की सांख्यिकीय विधियाँ, वसुन्धरा प्रकाशन गोरखपुर, पृष्ठ संख्या-280 एवं-312-315
6. चान्दना आ0 सी0 (1995): जन्संख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिशर्स लुधियाना, पृष्ठ-85